संपादकीय

जर्जर बुनियाद के हादसे

हिमाचल में सोलन स्थित कुमारहट्टी में पहाड़ पर बेतरतीब बनी चार मंजिला इमारत के गिरने से असम राइफल्स के तेरह जवानों समेत 14 लोगों की मौत की जवाबदेही तो तय करनी ही होगी। इमारत में बने ढाबे में जलपान के रुके जवानों को क्या पता था कि उनका विश्राम मौत का सबब बन जायेगा। बरसात में बहुमंजिले भवन तब गिरते हैं जब कुदरत के व्यवहार में इनसानी हस्तक्षेप की हद हो जाती है। जाहिर है भरभरा कर गिरी इमारत की बुनियाद कमजोर थी। बताया जाता है कि वह एक मंजिली इमारत के लिये बनायी गई थी और बाद में पैसे कमाने की हवस में उसे चार मंजिला बना दिया गया। दरअसल, बरसात के दिनों में होने वाले हादसों में पानी के कुदरती निकास में बाधक निर्माण की बड़ी भूमिका होती है। फिर पानी को जिधर रास्ता मिलता है, इनसानी घरोंदों को नेस्तनाबूद करते हुए निकल जाता है। उसे अब हम भूस्खलन का नाम दें या बाढ़ का। पानी अपना रास्ता व अपनी जमीन मांगता है। सोलन की घटना हमारे लिये खतरे की घंटी है कि पहाड़ की अस्मिता से खिलवाड़ न किया जाये। जो कच्चे पहाड़ एक या दो मंजिला इमारत का बोझ सह सकते हैं, उन पर बहुमंजिली इमारतों व अपार्टमेंट्स का निर्माण आत्मघाती है। भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र में ऐसे निर्माण और ज्यादा घातक हैं। वह भी तब जब इस क्षेत्र को भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील बताया जा रहा है और भविष्य में बड़े भूकंपों की आशंका जतायी जा रही है।?इन हालात में भूगर्भीय हलचलें कमजोर बुनियाद की इमारतों को ताश के पत्तों की तरह बिखेर सकती हैं। ऐसे में सोलन की घटना को एक सबक के रूप में देखा जाना चाहिए। हादसे के बाद घटना की मजिस्ट्रेटी जांच व भवन के मालिक के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या के मुकदमे का क्या औचित्य है? पहले जांच-पड़ताल करके कार्रवाई क्यों नहीं की जाती।

अब चाहे मुंबई के डोंगरी इलाके में सौ साल पुरानी इमारत गिरने से कई लोगों के मरने की घटना हो या फिर कुमारहट्टी में तेरह जवानों की मौत का मामला हो, यदि भवनों की कमजोर बुनियाद की समय रहते पड़ताल कर ली जाती तो ये हादसे टाले जा सकते थे। खासकर हिमाचल, कश्मीर व उत्तराखंड जैसे पर्वतीय इलाकों में भवन निर्माण के दौरान इस तथ्य को ध्यान रखना चाहिए कि निर्माण पहाड़ की प्रकृति के अनुरूप हो। हमारे पूर्वजों ने इन इलाकों में कभी बहुमंजिला इमारतों को तरजीह नहीं दी। इमारतों के लिये जमीन की स्थिति और पहाड़ के संवेदनशील व्यवहार का ध्यान रखा गया ताकि नैसर्गिक जल निकासी में बाधा न पड़े। विडंबना यह है कि कमजोर पहाड़ों पर जिस तरह भारी भरकम विकास व बड़ी योजनाएं थोपी जा रही हैं, सड़कों को चौड़ा करने के लिये जिस तरह पहाड़ों को निर्मम तरीके से काटा जा रहा है, वो आसन्न दुर्घटनाओं की पृष्ठभूमि तैयार करने जैसा है। सरकारों व स्थानीय प्रशासन की आपराधिक लापरवाही के चलते आत्मघाती निर्माण बदस्तूर जारी है, यह जानते हुए कि इसकी कीमत निर्दोष लोगों को चुकानी पड़ेगी। कहीं न कहीं पहाड़ों में निर्माण को सुरक्षा की दृष्टि से परिभाषित ही नहीं किया गया। पहाड़ों को खोदने की सीमा व तरीके को निर्धारित ही नहीं किया गया। निर्माण की गुणवत्ता व निर्माण के तकनीकी ज्ञान की अनदेखी की गई। यदि नियोजित विकास को तरजीह दी गई होती तो पहाड़ों में होने वाली ऐसी दुर्घटनाओं को टाला भी जा सकता था। यह वक्त पहाड़ों में निर्माण की संहिता बनाने तथा निर्माण की चूक से होने वाले हादसों के लिये जवाबदेही तय करने का है। अन्यथा हमें कुमारहट्टी जैसे हादसों के लिये तैयार रहना होगा। यह एक गंभीर चुनौती है और गंभीर विमर्श की मांग करती है।

सरप्रीत सिंह बने बायर्न म्यूनिख के लिए खेलने वाले भारतीय मूल के पहले फुटबॉलर

नई दिल्ली (आरएनएस)। सरप्रीत सिंह जर्मनी के फुटबॉल क्लब बायर्न म्यूनिख के लिए खेलने वाले पहले भारतीय मूल के फुटबॉलर बन गए। उन्होंने बुधवार को अमेरिका दौरे के प्री-सीजन मुकाबले में बायर्न के लिए पदार्पण किया। 20 साल के सरप्रीत हाफ टाइम के दौरान खेलने उतरे, हालांकि उनकी टीम को आर्सेनल के खिलाफ 1-2 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

न्यू जीलैंड के ऑकलैंड में जन्मे सरप्रीत के पैरेंट्स भारतीय हैं। वह न्यू जीलैंड के वेलिंगटन फीनिक्स क्लब से बायर्न म्यूनिख में शामिल हुए। उनके साथ क्लब ने तीन साल का करार किया है।

वह पहली बार 11 साल की उम्र में क्लब की एक यूथ टीम के लिए खेले। इसके 9 साल बाद ही वह पहले भारतीय मूल के फुटबॉलर बन गए जिन्होंने जर्मनी के इस क्लब की लाल टीशर्ट पहनी जिसके नाम 29 बुंडेसलीगा और 5 यूएफा चैंपियन खिताब दर्ज हैं।

सरप्रीत स्थानीय क्लब वनहुंगा स्पोर्ट्स के लिए खेलते थे, जिसके बाद उन्होंने 2015 में वेलिंगटन फीनिक्स अकैडमी जॉइन की। जून 2017 में उन्होंने पहला सीनियर कॉन्ट्रैक्ट किया, जो करार तीन साल का था।

गोएयर जल्द शुरू करती है दिल्ली से भूटान की उड़ान सेवा

नईदिल्ली (आरएनएस)। सस्ती उड़ान सेवा देने वाली कंपनी गोएयर जल्द नयी दिल्ली से भूटान के बीच हवाई सेवा शुरू कर सकती है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने पिछले साल अक्टूबर में ही में अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर परिचालन शुरू किया है। अभी वह फुकेट, माले, अबू धाबी और मस्कट के लिए हवाई सेवा उपलब्ध करा रही है। पिछले हफ्ते कंपनी ने बैंकॉक, दुबई और कुवैत के तीन नए बाजारों में अपने अंतरराष्ट्रीय परिचालन का विस्तार करने की घोषणा की। सूत्र ने कहा, ''गोएयर दिल्ली से पारो (भूटान) के बीच उड़ान सेवा शुरू करने के लिए तैयार है। इस संबंध में जल्द ही घोषणा की जा सकती है।'' इस संबंध में गोएयर को भेजे गए सवालों का जवाब अभी नहीं मिला है। यदि यह सेवा शुरू होती है तो गोएयर भूटान के लिए हवाईयात्रा सेवा शुरू करने वाली देश की पहली घरेलू विमानन कंपनी बन जाएगी।

भेल को एनटीपीसी-रेलवे के संयुक्त उद्यम से 750 करोड़ का ठेका

नईदिल्ली (आरएनएस)। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भेल को एनटीपीसी और भारतीय रेल की संयुक्त कंपनी से उत्सर्जन नियंत्रण उपकरणों की आपूर्ति के लिए 750 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। भारतीय रेल बिजली कंपनी लिमिटेड (बीआरबीसीएल) एनटीपीसी और भारतीय रेल का संयुक्त उद्यम है। भेल ने बयान में कहा कि इस ठेके में बिहार में बीआरबीसीएल की नबीनगर परियोजना में फ्लू गैस डिसल्फ्यूराइजेशन (एफजीडी) प्रणाली की आपूर्ति और उसे लगाना शामिल है। कंपनी ने कहा , कड़ी प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के बीच उसे भारतीय रेल बिजली कंपनी से उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण की आपूर्ति के लिए करीब 750 करोड़ रुपये का ठेका मिला है।

वेस्टइंडीज दौरा धोनी का विकल्प ढूंढने का शानदार मौका

नईदिल्ली (आरएनएस)। इंग्लैंड के खिलाफ विश्व में हुए मैच में खराब प्रदर्शन के बाद से कद्दावर विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के भविष्य पर चर्चा शुरू हो गई है। टीम प्रबंधन ने यह साफ कर दिया है कि उनसे धोनी ने संन्यास लेने के बारे में बातचीत नहीं की, लेकिन वेस्टइंडीज दौरे पर टीम के साथ पूर्व कप्तान का जाना कठिन लग रहा है। ऐसे में चयनकर्ताओं के पास भविष्य के लिए उनका विकल्प ढूंढने का अच्छा मौका है और वे युवा ऋषभ पंत को मौका दे सकते हैं।

कई वशेषज्ञों ने अनौपचारिक रूप से बयान देते हुए कहा है कि धोनी का विश्व कप के बाद खेलना मुश्किल है तो वहीं कई अन्य विशेषज्ञों का मानना है कि वह टीम में रहकर युवा खिलाड़ियों के लिए एक मेंटोर की भूमिका निभा सकते हैं।

हालांकि, चयनकर्ताओं को भविष्य के बारे में सोचते हुए 2023 विश्व कप की नींव रखने के लिए पंत जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका देना चाहिए। भारत के पास इशान किशन और संजू सैमसन खिलाड़ी भी मौजूद हैं, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन किया है, लेकिन पंत मौके के हकदार हैं और उनकी प्रतिभा ने कप्तान विराट कोहली को भी प्रभावित किया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ हार झेलने के बाद कोहली ने पंत का बचाव भी किया था। विश्व कप के सेमीफाइनल जैसे अहम मैच में पंत मिशेल सेंटनर की गेंदबाजी जैसे भी हैं, पर बेहद खराब शॉट खेलकर आउट हुए थे। कोहली ने कहा था, उन्होंने हार्दिक के साथ साझेदारी निभाकर स्थिति से बाहर निकलने का अच्छा प्रयास किया। यह देखते हुए कि वह एक युवा खिलाड़ी हैं मैं समझता हूं कि जिस तरह से उन्होंने तीन-चार विकेट लेने के बाद बल्लेबाजी की वो काबिले तारीफ है। जब मैं युवा खिलाड़ी था मैंने भी अपने करियर में बहुत गलतियां की और वह भी सीखेंगे।

शुरुआती कारोबार में रुपया 23 पैसे मजबूत

मुंबई (आरएनएस)। शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को 23 पैसे टूटकर 68.74 पर खुला। मुद्रा कारोबारियों के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व के इस माह के अंत तक नीतिगत ब्याज दरों में कमी की संभावना को लेकर निवेशकों के बीच सकारात्मक उम्मीद देखी गयी। न्यूयॉर्क फेडरल के अध्यक्ष जॉन विलियम्स और वाइस चेयरमैन रिचर्ड क्लारिडा की टिप्पणियों के बाद रुपया समेत अधिकतर एशियाई मुद्राओं में धारणा मजबूत रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 68.78 पर खुला। जल्द ही यह पिछले बंद के मुकाबले 23 पैसे चढ़कर 68.74 पर चल रहा है। गुरुवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 68.97 पर बंद हुआ था। इसी बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी और घरेलू निवेशकों के सावधानीभरे रुख के चलते रुपया में यह

बढ़त थमी है। आरंभिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने गुरुवार को 1,404.86 करोड़ रुपये की निकासी की। इस बीच ब्रेंट कच्चा तेल 2.02 प्रतिशत की तेजी के साथ 63.18 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

एलएंडटी को दामोदर घाटी निगम से मिला ऑर्डर

नई दिल्ली (आरएनएस)। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनी लार्सन एंड टुब्रो की बिजली कारोबार इकाई को दामोदर घाटी निगम से अहम ऑर्डर मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसे दामोदर घाटी निगम के तीनों बिजली संयंत्रों में 'फ्यूल गैस डी-सल्फराइजेशन' प्रणाली स्थापित करने का ऑर्डर मिला है। यह प्रणाली दुर्गापुर इस्पात तापीय विद्युत संयंत्र, मेजिया तापीय विद्युति संयंत्र और रघुनाथपुर तापीय विद्युत संयंत्र में स्थापित की जानी हैं। फ्यूल गैस डी-सल्फराइजेशन प्रणाली से जीवाश्म ईंधन पर चलने वाले बिजली संयंत्रों में

ईंधन वाली गैस से सल्फर डाइऑक्साइड को अलग किया जाता है। कंपनी को यह ऑर्डर इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) के तहत पूरा करने हैं। कंपनी ने इन ऑर्डर का मूल्य नहीं बताया है लेकिन उसने इन्हें 'अहम' श्रेणी में रखा है जिसके तहत 1,000 करोड़ रुपये से 2,500 करोड़ रुपये तक के ठेके शामिल होते हैं।

घरेलू वायदा बाजार में फिर नई उंचाई पर सोना

मुंबई (आरएनएस)। विदेशी बाजार से मिले मजबूत संकेतों से शुक्रवार को घरेलू वायदा बाजार में सोने का भाव फिर नई उंचाई पर चला गया। चांदी का भाव भी पिछले एक साल के ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। एमसीएक्एस पर सोने का भाव 35,409 रुपये प्रति 10 ग्राम तक चला गया जोकि अब तक का सबसे उंचा स्तर है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती का संकेत दिए जाने और अमेरिका-ईरान के बीच तनाव गहराने से बुलियन में तेजी देखी जा रही है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर पूर्वाह्न 11.18 बजे सोने के अगस्त अनुबंध में पिछले सत्र से 200 रुपये यानी 0.57 फीसदी की तेजी के साथ 35,356 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार चल रहा था जबकि इससे पहले भाव 35,321 रुपये पर खुला और 35,409 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछला जोकि एमसीएक्स पर सोने का अब तक का सबसे उंचा स्तर है। एमसीएक्स पर पिछले तीन दिनों से सोने में तेजी का रुख बना हुआ है।

केडिया कमोडिटी के डायरेक्टर अजय केडिया ने कहा कि सोने का भाव जल्द ही 36,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को छू सकता है।

वहीं, एमसीएक्स पर चांदी में पिछले एक सप्ताह से तेजी जारी है। चांदी के सितंबर अनुबंध में पिछले सत्र से 597 रुपये यानी 1.47 फीसदी की तेजी के साथ 41,335 रुपये प्रति किलो पर कारोबार चल रहा था जबकि इससे पहले चांदी का भाव 41,365 रुपये प्रति किलो था। एमसीएक्स पर चांदी का भाव3 15 जून 2018 के बाद सबसे उंचे स्तर पर है जब चांदी का भाव 41,698 प्रति किलो तक चला गया था।

अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजार कॉमेक्स पर सोने के अगस्त वायदा में 15.35 डॉलर यानी 1.07 फीसदी की तेजी के साथ 1,443.45 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार चल रहा था जबकि इससे पहले भाव 1,454.35 डॉलर प्रति औंस तक उछला।

चांदी के सितंबर अनुबंध में 1.72 फीसदी की तेजी के साथ 16.47 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार चल रहा था।

केडिया ने कहा कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती का संकेत दिए जाने से डॉलर में कमजारी आई है जिससे सोने और चांदी के भाव को सपोर्ट मिल रहा है। वहीं, ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ने से निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश उपकरण के रूप में सोने की तरफ बढ़ा है।

आज का राशिफल

मेषः- आज आप जनता के प्रिय बनेंगे। जमीन- जायदाद से संबंधित क्षेत्रों में उत्तम लाभ मिलेगा। आपको अपने पिता के आशीर्वाद से शासन द्वारा सम्मानित किए जाने की संभावना रहेगी।

वृषभः- नई प्रॉपर्टी खरीदने की संभावना है। आर्थिक समृद्धि तभी संभव है जब आप जीवन में थोड़ा धैर्य और सूझबूझ से निवेश करें। नई योजनाएं भी दिमाग में आएंगी।

मिथुनः- आज आप इस बात का पूरा ध्यान रखें कि आपकी कोई बात सामने वाले को बुरी ना लग जाए। यदि आपका धन कहीं रुका हुआ है तो आज मिल सकता है।

कर्कः- आप अपने स्वभाव के प्रति गंभीर रहें, कड़ी मेहनत से ही अपने कार्यों में सफल हो सकेंगे। भौतिक सुख साधनों पर खर्चा अधिक होगा। अच्छे वाहन का सुख प्राप्त होगा।

सिंहः- आपके अंदर परोपकार एवं दान पुण्य की भावना बढ़ने लगेगी। आत्मविश्वास के बल पर किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी।

कन्याः- भाग्य की दृष्टि से आज का दिन अच्छा रहेगा। संतान से शुभ समाचार मिलने के संकेत हैं। नौकरी वाले जातकों के अधिकारों में वृद्धि होगी।

तुलाः- यदि आप विद्यार्थी हैं तो आपकी शैक्षणिक दिशा में परिवर्तन होगा। शिक्षा की ओर आपकी रूचि बढ़ेगी। नए कार्य सीखने में सफल होंगे।

वृश्चिकः- आज आमदनी में ज्यादा खर्च की स्थिति रहेगी। संतान के द्वारा किए गए श्रेष्ठ कार्यों से आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी।

धनुः- आपके कठिन प्रयासों से इच्छा की पूर्ति होगी। शुभ व्यय कीर्ति की वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आज जबरदस्त उछाल आपको दिखाई पड़ेगा।

मकरः- आज आपको पूर्वजों से धन मिलने की संभावना है। धन व्यय के योग बन रहे हैं। बिजनस में बढ़ोत्तरी के लिए की गई यात्राओं के अच्छे परिणाम मिलेंगे।

कुंभः- आमदनी की बढ़ोत्तरी के लिए किए गए प्रयास सफल रहेंगे। श्रेष्ठ मार्गों द्वारा प्राप्त धन से कोष वृद्धि होगी। भाग्य की दृष्टि से आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपको हर क्षेत्र में लाभ की प्राप्ति होगी।

मीनः- आज आपकी संपत्ति में वृद्धि होगी। आपको ननिहाल से भी मान सम्मान मिलेगा। कार्य-व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रोजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है।

पेड़े बनाने का विधि जानिए...

पेड़े का नाम सुनते ही मथुरा के पेड़े याद आते हैं.जितने स्वादिष्ट मथुरा के पेड़े होते हैं वो कहींवके नहीं होते, लेकिन अब आप इन्हें घर पर भी बना सकते हैं.आइए जानते हैं घर पर टेस्टीपेड़े बनाने का सरल तरीका

सामग्री

खोया-200 ग्राम, चीनी- 3 चम्मच, इलायची पाउडर - 1 चम्मच् घी -1 चम्मच, दूध - 3 चम्मच, पाउडर शुगर - 1/4 कप

बनाने का तरीका

-सबसे पहले एक गर्म पैन में खोया डालें.

-इसमेंघीवचीनी डालकर लगातार हिलाते रहें.

-ध्यान रहे इसमिलावटको तब तक अच्छी तरह से हिलाते रहें जब तक चीनी पिघल न जाएं.

-अब इसमेंदूध डालकर लगातार हिलाते रहें, ताकिमिलावटनीचे से न तो चिपकेवजले. -खोये को इतना भूने कि वह गोल्डन ब्राउन हो जाएवपैन के किनारे छोड़ने लगे.

-अब इसमेंइलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें.

-तैयार मिक्सचर को गैस से उतार कर प्लेट में डालेंवठंडा होने दें.

-अबइस मिक्सचर को पेड़े के शेप देनाप्रारम्भकरें.

-आपके पेड़े बनकर तैयार हैं.

शब्द सामर्थ्य- 30

बाएं से दाएं
1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे
1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

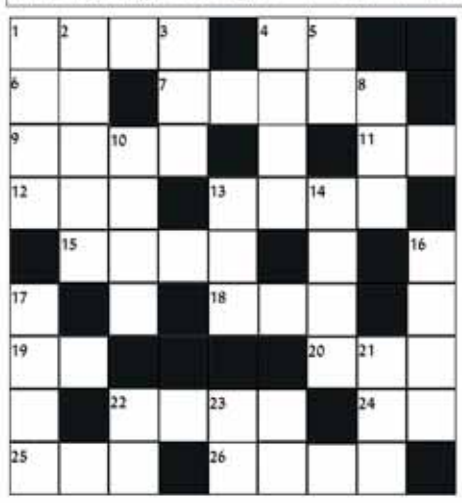

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 29 का हल

दि	क्र	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

सू-दोकू- 30

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.29का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2	■	1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5